

ठठेरी स्त्री. (देश.) 1. ठठेरे की पत्नी 2. ठठेरे का काम 3. ठठेरा जाति की स्त्री बिलो. ठठेरा।

ठठोल वि. (देश.) परिहास करने वाला, मसखरा, विनोदप्रिय, दिल्लगीबाज पु. दे. ठठोली, दिल्लगी, हँसी।

ठठोली स्त्री. (देश.) दिल्लगी, ठठोल, मसखरापन।

ठड़ा वि. (तद्.) 1. खड़ा 2. सीधा स्थित।

ठड़िया पुं. (देश.) 1. ऊँचा ओखल 2. पशुओं में पाया जाने वाला सूखा रोग 3. एक प्रकार का साग, मरसा।

ठढ़ा वि. (तद्.) 1. खड़ा 2. सीधा स्थित।

ठन पुं. (अनु.) धातु या बरतन के बजने की ध्वनि।

ठनक स्त्री. (देश.) 1. तबला, मृदंग आदि की ध्वनि, चसक 2. किसी धातु के बजने का शब्द 3. नखरा, ऐंड़, अकड़।

ठनकना अ.क्रि. (देश.) 1. ठन-ठन शब्द करना 2. आशंका पैदा होना 3. रह-रहकर पीड़ा होना मुहा. माथा ठनकना- किसी बुरे लक्षण को देखकर आशंका पैदा होना।

ठनका पुं. (देश.) दे. ठनक।

ठनकाना स.क्रि. (देश.) किसी धातुखंड या चमड़े के मढ़े बाजे पर आवाज निकालना।

ठनकार स्त्री. (देश.) किसी धातुखंड से उत्पन्न हुई ध्वनि।

ठनकारना अ.क्रि. (देश.) फुफकारना।

ठनगन पुं. (देश.) नेग पाने के लिए की गई हठ या अड़।

ठनगना अ.क्रि. (देश.) ठनगन करना।

ठनठन स्त्री. (देश.) धातुखंड के बजने का शब्द।

ठनठन गोपाल पुं. (देश.+तत्.) 1. निस्सार वस्तु 2. निर्धन व्यक्ति।

ठनठनाना स.क्रि. (अनु.) ठन-ठन की ध्वनि करना। अ.क्रि. ठन-ठन बजना।

ठनना अ.क्रि. (देश.) 1. निश्चित होना, पक्का होना 2. दृढ़ होना 3. छिड़ना प्रयो. युद्ध ठनना 2. ठहरना, लगना मुहा. किसी बात पर ठनना- किसी काम को करने के लिए तैयार होना।

ठनाका पुं. (अनु.) ठनकार, ठन-ठन की ध्वनि।

ठनाठन क्रि.वि. (अनु.) 'ठन-ठन' ध्वनि के साथ, झनकारके साथ जैसे- नगाड़ा ठनाठन बजने लगा।

ठप्पा पुं. (तद्.) 1. साँचा 2. छापा, छाप, नक्शा।

ठमक स्त्री. (तद्.) चलते-चलते रुकने का भाव, नज़ाकत से भरी चाल।

ठमकना अ.क्रि. (तद्.) चलते-चलते रुक जाना, ठिठकना, ठसकना 2. लचक खाते हुए चलना।

ठमका स्त्री. (अनु.) 1. झंझट, बखेड़ा 2. झोंका जैसे- नींद का ठमका।

ठमकाना स.क्रि. (देश.) ठहराना, चलते-चलते रोकना।

ठमना स.क्रि. (देश.) दृढ़ निश्चय के साथ करना।

ठरा पुं. (देश.) 1. मोटा, खुरदरा सूत 2. अधपकी ईंट 3. भद्दा जूता 4. एक प्रकार की देसी शराब 4. अंगिया का बंद।

ठरी स्त्री. (देश.) 1. बिना अंकुरित धान 2. बिना अंकुरित किए धान की बुआई।

ठलाना स.क्रि. (तद्.) 1. ठेलना, रखना 2. निकलवाना, गिराना।

ठलुआ वि. (देश.) निठल्ला, बेकार बिलो. व्यस्त।

ठवन स्त्री. (तद्.) खड़े होने, बैठने आदि की कोई विशिष्ट मुद्रा।

ठस वि. (तद्.) 1. ठोस, कड़ा 2. घनी बुनावट वाला 3. दृढ़, मजबूत 4. भारी, वजनी 5. खोटा जैसे- ठस रुपया 6. हठी, जिद्दी।

ठसकदार वि. (देश.) 1. अभिमानी, घमंडी 2. शानदार, भड़कीला।

ठसका पुं. (अनु.) 1. सूखी खाँसी 2. ठोकर, धक्का।

ठसाठस क्रि.वि. (देश.) ठूस-ठूसकर भरा हुआ, खचाखच।

ठस्सा पुं. (देश.) 1. ठसक, अभिमानपूर्ण हावभाव 3. घमंड, अहंकार 4. शान।

ठहर पुं. (देश.) 1. जगह, स्थान 2. चौका 3. लीपी हुई जगह।

ठहरना अ.क्रि. (देश.) 1. रुकना, थमना 2. स्थिर रहना मुहा. मन ठहरना- बेचैनी दूर होना, चित्त शांत होना 3. टिका होना 4. थिराना 5. धीरज